



**MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY
OF JOURNALISM AND COMMUNICATION**

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:28 OCT. 2026

सुरक्षा
जारी

सन एवं
आगामी
रटनाओं

रक्षा के
रुए हैं।

एवं
सभी

पूजा
रों में

ने के

नुसार,
डालों

में
शमन

चारी

में
पर

द्युत
गी।

तीन
गर्ग

खे
नों

त

एमसीयू में मोबाइल फोटोग्राफी की बारीकियां सीखीं विद्यार्थियों ने

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) के सिनेमा अध्ययन विभाग द्वारा मोबाइल फोटोग्राफी कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें कैमन कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी वीरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को मोबाइल से बेहतर फोटोग्राफी करने की बुनियादी जानकारी दी।

वीरेंद्र सिंह ने कहा कि फोटोग्राफी एक दृश्य कला है, जिसमें तस्वीरों को तैयार करने के लिए नजरिया, विषय, फ्रेम, प्रकाश और पृष्ठभूमि जैसी बारीकियों पर ध्यान देना जरूरी है। एक ही दृश्य को अलग-अलग लोग अपने नजरिये से अलग तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि फोटोग्राफी के तीन चरण होते हैं—प्री-प्रोडक्शन, प्रोडक्शन और पोस्ट-प्रोडक्शन। तस्वीर लेने के बाद उसकी एडिटिंग और फिनिशिंग भी महत्वपूर्ण है। आधुनिक तकनीक ने तस्वीरों को संपादित कर बेहतर बनाने की सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। कार्यशाला में शाम के समय प्रकाश और अन्य प्रभावों के साथ फोटोग्राफी का विशेष सत्र आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को गैलेक्सी फोटोग्राफी और विशेष प्रकाश प्रभावों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर में प्राकृतिक वातावरण, इमारतों और अन्य विषयों पर तस्वीरें लेने



का अभ्यास किया। व्यावहारिक सत्र में विद्यार्थियों ने अपने चुने हुए विषयों पर तस्वीरें खींचने के साथ पोस्ट-प्रोडक्शन में उनके संपादन की बारीकियां भी सीखीं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. गजेंद्र अवास्या ने फोटोग्राफी के महत्व पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पवित्र श्रीवास्तव ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया और विद्यार्थियों को संबोधित किया।

गणेश शंकर विद्यार्थी के जीवन और निर्भीक पत्रकारिता पर आधारित फिल्म को फिक्शन श्रेणी में मिली सफलता

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू), भोपाल के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा निर्मित फिल्म 'विद्यार्थी' ने उज्जैनी शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल सीजन-4 में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया है। उज्जैन में 24 और 25 अक्टूबर को आयोजित फिल्म महोत्सव में फिल्म को फिक्शन श्रेणी में सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने फिल्म निर्माण से जुड़ी पूरी टीम को बधाई दी और उनके प्रयासों की सराहना की।

कुलगुरु के मार्गदर्शन में हुआ निर्माण: फिल्म 'विद्यार्थी' का निर्माण विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी के मार्गदर्शन में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा किया गया। पुरस्कार मिलने के बाद विभाग की अध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा, वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक राहुल खडिया और फिल्म के निर्माता



इस उपलब्धि की जानकारी दी। कुलगुरु ने फिल्म निर्माण से जुड़े सदस्यों को बधाई देते हुए इस सफलता को विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। फिल्म निर्माण में विभाग की शैक्षणिक और रचनात्मक गतिविधियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पत्रकारिता के मूल्यों और

एमसीयू की फिल्म 'विद्यार्थी' को उज्जैनी शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में मिला द्वितीय पुरस्कार

गणेश शंकर विद्यार्थी के जीवन पर आधारित है फिल्म

फिल्म 'विद्यार्थी' महान पत्रकार और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय गणेश शंकर विद्यार्थी के जीवन, पत्रकारिता और विचारों पर आधारित है। इसमें उनकी निर्भीक पत्रकारिता, ब्रिटिश शासन के अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और सामाजिक असमानता तथा सांप्रदायिक नफरत के खिलाफ उनके प्रयासों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। फिल्म में उनके समाचार पत्र 'प्रताप' के माध्यम से जनहित के मुद्दों को उठाने और अन्याय के विरुद्ध आवाज बुलंद करने की भूमिका को भी दर्शाया गया है। फिल्म का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय पत्रकारिता के गौरवशाली इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों और पत्रकारिता की सामाजिक जिम्मेदारी से परिचित कराना है।

फिल्म 'विद्यार्थी' के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग ने भारतीय पत्रकारिता के इतिहास, सामाजिक सद्भाव और मानवीय मूल्यों को सिनेमाई रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। गणेश शंकर विद्यार्थी का जीवन निर्भीक पत्रकारिता, सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सौहार्द के प्रति समर्पण

विचारों को दर्शकों तक पहुंचाने का माध्यम बनी है। उज्जैनी शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में द्वितीय पुरस्कार मिलना विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि है। इस सफलता से विश्वविद्यालय में हर्ष का माहौल है और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग की रचनात्मक गतिविधियों को नई